प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

(दिसंबर, 2019)

*****

1. **फ्लैगशिप कार्यकलापों के अंतर्गत प्रगति:**

1.1. आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी):

1.1.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा एचडब्ल्यूसी पोर्टल पर दी गई सूचना के अनुसार, 40,000 आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) के लक्ष्य की तुलना में 1 जनवरी, 2020 तक 27370 एच एण्ड एचडब्ल्यू को कार्यात्मक बनाया गया है। प्रगति पर बारीकी से निगरानी की जा रही है। लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रगति हो रही है।

1.1.2. सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु छः माह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम बी.एससी (नर्सिंग) को कोर्स पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है। हर वर्ष पास होने वाली 1.20 लाख प्रशिक्षित नर्सों के साथ सीएचओ के प्रशिक्षण एवं उपलब्धता के मुद्दे का निराकरण हो गया है।

1.2. आयुष्मान भारत - **प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई)** के तहत दिसंबर, 2019 में प्रगति का ब्यौरा निम्नवत् है:

मैट्रिक	**01.12.2019 के अनुसार स्थिति**	01.01.2020 **के अनुसार स्थिति**	**दिसंबर, 2019 के दौरान प्रगति**
जारी ई-कार्ड*	1146,01,411	1177,46,191	31,44,780
अस्पताल में भर्ती	64,50,119	71,91,793	7,41,674
अस्पताल भर्ती हेतु प्राधिकृत धनराशि	9408.9 करोड़	10345.4 करोड़	936.5 करोड़
पैनलबद्ध किए गए अस्पताल	19,749	20,006	257
एनएचए कॉल सेंटर (14555) द्वारा उत्तर दी गई कुल कॉलें	46,33,603	47,49,119	1,15,516
mera.pmjay.gov.in पर कुल उपयोगकर्ता	163,80,524	168,37,846	4,57,322
नोट: उपर्युक्त सूचना राज्य स्कीमों के साथ जुड़े पीएमजेएवाई के तहत सहायता प्राप्त लाभार्थियों से संबंधित है। जारी *ई-कार्डों में राज्यों द्वारा अपनी आईटी प्रणालियों का प्रयोग करते हुए पीएमजेएवाई लाभार्थियों के लिए बनाए गए राज्य कार्ड भी शामिल हैं।			

1.3. **गहन मिशन इंद्रधनुष:** दिसंबर, 2019 में गहन मिशन इंद्रधनुष 2.0 का पहला चरण आयोजित किया गया, जिसमें 11.62 लाख बच्चों और 2.46 लाख गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया।

1.4. **राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम:** वर्ष 2019 में 23.79 लाख नए क्षयरोग मामले अधिसूचित किए गए। पता लगाए गए और अनुमानित क्षयरोग मामलों के बीच अंतराल में 68.9% की कमी आई है। वर्ष 2017 में ये मामले घटकर लगभग 10 लाख मामले रह गए हैं।

2. **विधायी उपाय तथा विनियम:**

2.1. इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट तथा उसके जैसे उपकरणों पर दिनांक 05 दिसंबर, 2019 के "इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध (उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, भंडारण तथा विज्ञापन) अधिनियम, 2019" के माध्यम से प्रतिबंध लगाया गया है। इससे लोगों, विशेष रूप से बच्चों, किशोरों तथा युवाओं को नए प्रकार के निकोटिन के दुर्व्यसन से बचाया जा सकेगा।

2.2. स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अनिवार्य भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा नामित संस्थान द्वारा अनुसंधान विधियों में ऑनलाइन पाठ्यक्रम चलाने के लिए अन्यों के साथ स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियम, 2000 में संशोधन किया गया। विद्यार्थियों को अपने दूसरे सैमेस्टर के समाप्ति से पहले इस पाठ्यक्रम को पूरा करना होगा।

2.3. दो चिकित्सा मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम तथा 6 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान करने तथा 304 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की संबद्धता में परिवर्तन हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है।

3. **मुख्य क्रियाकलाप:**

3.1. महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी, उत्तर प्रदेश में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, राजकोट, गुजरात में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (पीएमएसएसवाई के चरण-III के तहत दोनों को लागत 150 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया) का उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के कर कमलों द्वारा क्रमश: 08.12.2019 तथा 28.12.2019 को किया गया।

3.2. प्रत्येक वर्ष एक दिसंबर को मनाये जाने वाले विश्व एड्स दिवस का इस साल का विषय समाज से 'कम्यूनिटीज़ मेक डिफरेंस' था। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने केदारनाथ साहनी ऑडीटोरियम, नई दिल्ली में एक भव्य समारोह आयोजित किया। इस समारोह में माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने (i) नाको एड्स मोबाइल एप्लीकेशन, (ii) लक्षित कार्यकलापों हेतु नए आईईसी उपकरण (टीआई)

एनजीओ (iii) एचआईवी/एड्स के उपचार के संबंध में निजी प्रैक्टिशनरों हेतु व्याप्क माड्यूल तथा (iv) नाको की शुरुआत की।

3.3. प्रजनन स्वास्थ्य को व्यापक स्तर पर सुलभ बनाने को सुनिश्चित करने हेतु 21 राज्यों से मातृ स्वास्थ्य परिवार नियोजन तथा किशोर स्वास्थ्य से राज्य नोडल अधिकारियों तथा परामर्शदाताओं को प्रशिक्षण देने के लिए डब्ल्यूएचओ के सहयोग से समर्थ भारत (निरंतर - प्रगतिशील - मुख्यधारा - स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य को सुलभ बनाना) हेतु दिनांक 10 तथा 11 दिसंबर, 2019 को "नेशनल इनसेप्शन वर्कशॉप" नामक दो दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया।

3.4. दिनांक 05 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटेंगल पुरस्कार समारोह, 2019 का विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजन किया गया, जिसमें 36 श्रेष्ठ नर्सिंग कर्मचारियों को फ्लोरेंस नाइटेंगल पुरस्कार प्रदान किया गया।

3.5. एफएसएसएआई द्वारा दिनांक 25-29 दिसंबर, 2019 तक जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर ऑफ इंडिया (एनएएसवीआई) द्वारा 11वें राष्ट्रीय स्ट्रीट फूड उत्सव के साथ-साथ दूसरा ईट राइट मेला आयोजित किया गया। विगत कुछ वर्षों के दौरान, इस प्रकार के विभिन्न ईट राइट मेलों का बारेपटा, असम से मुंबई, महाराष्ट्र तक देश के कई भागों में आयोजन किया गया है। ईट राइट मेला परिवारों को संपूर्ण खाद्य अनुभव कराता है, जैसे फूड विजनरीज एवं विशेषज्ञों के साथ संवाद, प्रश्नोत्तरी, खेल, प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा स्वस्थ पाक कला प्रदर्शनी, देश के सभी भागों से स्वादिष्ट व्यंजनों / खाद्य पदार्थों के खोमचों के साथ-साथ प्रख्यात कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अयोजन आदि प्रदान करता है। माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने नेटस्कॉफेन का प्रारंभ किया और 'परपल बुक' का विमोचन किया। इस अवसर पर दिल्ली खाद्य सुरक्षा विभाग को तीन चल (मोबाइल) खाद्य परीक्षण वैन (सीएनजी चालित) सौंपी गई।

3.6. भारत में खाद्य दान हेतु एक प्रौद्योगिकी मंच का संयुक्त रूप से निर्माण करने हेतु एफएसएसएआई और नैसकॉम फाउंडेशन ने दिनांक 12.12.2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्रौद्योगिकी मंच में एक 24 घंटे कार्यशील हैल्पलाइन नंबर, एक सक्रिय अनुप्रयोग (एप्लीकेशन) तथा बचे हुए खाद्य पदार्थ वाले दाताओं द्वारा खाद्य वितरण संगठनों से संपर्क करने हेतु एक बैक एंड वेबसाइट की सुविधा होगी। इससे पूरे देश में बचे हुए खाद्य पदार्थों का जरूरतमंद लोगों में निर्बाध वितरण हो सकेगा।

4. विविध:

4.1. पंजाब स्थित एम्स बठिंडा में 23.12.2019 से ओपीडी सेवाएं प्रारंभ हो गई हैं।

4.2. राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र एनएचएम कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) का मूल्यांकन करने हेतु 26 दिसंबर, 2019 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति (एनपीसीसी) की बैठकें आयोजित की जा रही हैं और ये बैठकें 05 फरवरी, 2020 तक चलेंगी। दिसंबर, 2019 के दौरान 3 राज्यों के पीआईपी का मूल्यांकन किया गया। एनएचएम की ईपीसी बैठक 19 दिसंबर, 2019 को आयोजित की गई।

4.3. कायाकल्प के अंतर्गत 22497 सुविधा केंद्रों, 7921 सुविधा केंद्रों और 2264 सुविधा केंद्रों का क्रमश: आंतरिक मूल्यांकन, पीआर मूल्यांकन और बाहरी मूल्यांकन किया गया। वर्ष 2019 - 2020 के लिए अब तक 24 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से डाटा प्राप्त हुआ है।

******